922/912

राष्ट्रीय सहारा
पृ० 2
30-07-2014

लैब से खेतों तक पहुंचाएं तकनीक

कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने वैज्ञानिकों को दिया नारा

नई दिल्ली (एसएनबी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए नई-नई प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने मंगलवार को 'प्रयोगशाला से खेत तक' का नारा दिया। मोदी ने कहा कि किसानों की आय तभी बढ़ेगी जब वे तथा देश और दुनिया का पेट भर सकेंगे। जब वे अपना उत्पादन बढ़ाने की स्थिति में होंगे। प्रधानमंत्री ने 'कम जमीन और कम समय' में कृषि उत्पादन को बढ़ाने में मदद के लिए वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने घटते प्राकृतिक संसाधनों और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बारे में चिंता का इजहार किया।

पीएम ने हरित और श्वेत क्रांति की तर्ज पर देश में मत्स्य पालन के क्षेत्र में 'नील क्रांति' का भी आह्वान किया। यहां भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 86वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, 'हमें दो चीजें साबित करनी है। एक तो यह कि हमारे किसान पूरे देश और दुनिया को खाद्यान्न मुहैया कराने में समर्थ हैं। दूसरा, कृषि हमारे किसानों को पर्याप्त आय उपलब्ध करा सकती है।' खाद्य तेल और दलहन के लिए देश की आयात पर अत्यधिक निर्भरता पर चिंता जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और प्रयास होना चाहिए कि हम कृषि जिंसों के मामले में आत्मनिर्भर हों। मोदी ने इसी संदर्भ में कहा, 'हमरा ध्येय वाक्य होना चाहिए, प्रति बूंद, अधिक फसल।' प्रधानमंत्री ने

नई दिल्ली में आईसीएआर के 86वें स्थापना दिवस के मौके पर खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में योगदान के लिए महिला उद्यमी को पुरस्कार प्रदान करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

कृषि अनुसंधान को प्रयोगशालाओं से खेतों तक पहुंचाने (लैंड टू लैब) की चुनौती का समाधान निकालने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि किसानों को नई-नई प्रौद्योगिकी के लाभ को सहज तरीके से समझाने के प्रयास किए जाने चाहिए। मोदी ने आईसीएआर के कृषि वैज्ञानिकों से संस्था के शताब्दी समारोह योजना बनाने को कहा और उनसे अपील की कि शताब्दी समारोह के लिए बचे 14 वर्ष में संस्थान पिछले 86 वर्ष की उपलब्धियों से अधिक उपलब्धियां हासिल करने की योजना बनाई जाए। उन्होंने कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक शोधों को किसानों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कृषि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों द्वारा रेडियो स्टेशनों की स्थापना करने का सुझाव दिया ताकि किसानों के बीच में जागरुकता बढ़ाई जा सके। मोदी ने कहा कि जब तक किसानों की आय नहीं बढ़ेगी तब तक कृषि विकास के लक्ष्य को हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि इस कारण सरकार की नीतियां इस दिशा में निर्देशित होनी चाहिएं। मोदी ने कहा, 'खाद्यान्न की भारी मांग है और यह हमारे लिए एक

आईसीएआर का 86वां स्थापना दिवस

- मोदी बोले- किसानों की आय तभी बढ़ेगी जब वे अपना तथा देश व दुनिया का पेट भर सकेंगे
- किसानों कों नई-नई प्रौद्योगिकी के लाभ को सहज तरीके से समझाने के प्रयास होने चाहिए
- हरित व श्वेत क्रांति की तर्ज पर मत्स्य पालन के क्षेत्र में 'नील क्रांति' का आह्वान किया

अवसर है। सबसे बड़ी चुनौती हमारे सामने है कि कैसे कृषि शोध को प्रयोगशाला से खेत तक पहुंचाया जाए। अगर शोध का काम खेतों तक नहीं पहुंचता है तो हमें वांछित परिणाम नहीं मिल सकते।' प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षित युवा और प्रगतिशील किसान तथा कृषि शोध में लगे विद्वान मिलकर प्रतिभाओं की एक अच्छा समूह खड़ा कर सकते हैं। उन्होंने आईसीएआर को अगले 4-5 वर्ष में देश में सभी कृषि शोधों के आंकड़ों का डिजिटलीकरण करने को कहा।

देश में नील क्रांति (मत्स्य क्रांति) हासिल करने की आवश्यकता के विषय में मोदी ने कहा, 'भारत के तिरंगा झंडे में, हम हरित और श्वेत क्रांति के बारे में बात करते हैं लेकिन नीले रंग का अशोक चक्र भी है। उस क्रांति के बारे में भी हमें गौर करना होगा।'

प्रति लिपि :-
1. निदेशक कार्यालय
2. संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3. अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
4. प्रभारी ए. एस. आई.
5. प्रभारी स्टैट
6. प्रभारी पी-पी-आई

सुनीता गुप्ता 30/7/14
प्रभारी पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग